

दिल्ली राजपत्र

Delhi Gazette



असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 175]

दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्तूबर 18, 2012/आश्विन 26, 1934

[रा.रा.क्षे.दि. सं. 169

No. 175]

DELHI, THURSDAY, OCTOBER 18, 2012/ASVINA 26, 1934

[N.C.T.D. No. 169

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

विधि, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग
अधिसूचनाएं

दिल्ली, 18 अक्तूबर, 2012

फा. सं. 27/2/2010-न्याय/Suptlaw/825-828.—

परिवार न्यायालय अधिनियम, 1984, की धारा 4 द्वारा प्रदत्त एवं इस विषय में अधिकार प्रदान करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली उच्च न्यायालय की सहमति से, श्री एम. के. गुप्ता, जिला न्यायाधीश को, सुश्री दीपा शर्मा के स्थान पर, परिवार न्यायालय, दिल्ली के प्रधान न्यायाधीश के पद पर, उनके पदभार संभालने की तिथि से नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल के आदेश से तथा उनके नाम पर,
तारुन सहरावत, अतिरिक्त सचिव

DEPARTMENT OF LAW, JUSTICE AND
LEGISLATIVE AFFAIRS
NOTIFICATIONS

Delhi, the 18th October, 2012

F. No. 27/2/2010-Judl./Suptlaw/825-828.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Family Courts Act, 1984, and all other powers enabling him in this regard, the Lt. Governor of the NCT of Delhi, with the concurrence of the High Court of Delhi, hereby appoints Mr. M. K. Gupta, District Judge, as Principal Judge, Family Courts, Delhi with effect from the date he takes over, in place of Ms. Deepa Sharma.

By Order and in the Name of the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi,
TARUN SAHRAWAT, Addl. Secy.

फा. सं. 27/4/05-न्याय/Suptlaw/829-842.—दिल्ली

विधिक सेवाएं प्राधिकरण नियमावली, 1996 के नियम 3 के साथ पठित विधिक सेवाएं प्राधिकरण अधिनियम, 1987, विधिक सेवाएं प्राधिकरण (संशोधन) अधिनियम, 2002 द्वारा यथासंशोधित की धारा 6 का अनुसरण करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री संजय किशन कौल को न्यायाधीश श्री ए. के. सीकरी के स्थान पर, जिनका स्थानांतरण हो चुका है, दिल्ली उच्च न्यायालय में उनके कार्यकाल के दौरान, दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण में, कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत करते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल के आदेश से तथा उनके नाम पर,
ए. एस. यादव, प्रधान सचिव

F. No. 27/4/05-Judl./Suptlaw/829-842.—In pursuance of the provisions contained in Section 6 of the Legal Services Authorities Act, 1987 as amended by the Legal Services Authorities (Amendment) Act, 2002, read with rule 3 of the Delhi Legal Services Authorities Rules, 1996, the Lt. Governor, National Capital Territory of Delhi, in consultation with the Chief Justice of the Delhi High Court, is pleased to nominate Mr. Justice Sanjay Kishan Kaul, Judge, High Court of Delhi as the Executive Chairman of the Delhi State Legal Services Authority, during his tenure as a Judge of Delhi High Court in place of Mr. Justice A. K. Sikri, since transferred.

By Order and in the Name of the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi,
A. S. YADAV, Principal Secy.

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2012

फा. सं. 1(2021)/एसबी/डीटीटीई/2012/1915.— इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2012 (2012 का दिल्ली अधिनियम 9) की धारा 29 के साथ पठित धारा 30 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कुलाधिपति के पूर्व अनुमोदन के उपरान्त राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, निम्न इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2012 के लिये निम्नलिखित परिनियम बनाती है, अर्थात् :-

संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ	1.	(1)	इन परिनियमों को इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय (प्रथम) परिनियम, 2012 कहा जा सकेगा;
		(2)	ये सरकारी राजपत्र में अपनी प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे ।
परिभाषाएँ	2.	(1)	जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, तब तक इन परिनियमों में,—
		(क)	“अधिनियम” का अर्थ, इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2012 (2012 का दिल्ली अधिनियम 9) से है;
		(ख)	“अकादमिक स्टाफ” का अर्थ प्राध्यापक एसोसिएट प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, पुस्तकालयाध्यक्ष, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, प्रोग्रामर, सिस्टम प्रबंधक, फॉरमेन शिक्षक, शारीरिक शिक्षा निदेशक और ऐसे अन्य अकादमिक पद, जो प्रबंध मंडल द्वारा निर्णित किए जा सकेंगे;
		(ग)	“अध्ययन मंडल” का अर्थ किसी विभाग/विद्यापीठ के अध्ययन मंडल से है;

		(घ)	"खंड" का अर्थ है किसी परिनियम के खंड से है, जिसमें यह अभिव्यक्ति आती है;
		(ड.)	"संकाय" से अर्थ है विश्वविद्यालय के किसी संकाय से है, जिसमें शैक्षिक कार्यों के लिये एक या अधिक विभाग या विद्यापीठ जो एक साथ समूह से मिलाए गए;
		(च)	"प्रधान" का अर्थ विभाग या विद्यापीठ के प्रधान से है;
		(छ)	"महाविद्यालय के प्रधान" का अर्थ महाविद्यालय के प्रधान या निदेशक से है;
		(ज)	"गैर शिक्षक स्टाफ" का अर्थ कुल सचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक, तकनीकी स्टाफ, प्रशासनिक, लिपिकीय और अन्य स्टाफ जो प्रबंध मंडल द्वारा निर्णित किया जा सकेगा;
		(झ)	"धारा" का अर्थ अधिनियम की किसी धारा से है।
		(2)	प्रयुक्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां लेकिन इन अधिनियम में परिभाषित नहीं है, उनका वही अर्थ होगा जो उन्हें अधिनियम में दिया गया है।
कुलाधिपति के कार्य कुलपति	3.	(क)	अपने पद के आधार पर कुलाधिपति महापरिषद् के अध्यक्ष होंगे।
		3 (ख) (1)	कुलपति विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक वेतनभोगी अधिकारी होगा।
		(2)	कुलपति तीन नामों के एक पेनल (वर्णक्रमानुसार लिखित) में से, खोज एवं चयन समिति द्वारा संस्तुत कुलाधिपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा।
		(3)	उपखंड (2) में संदर्भित खोज व चयन समिति में निम्नलिखित होंगे:- (2) कोई :
		(क)	कोई प्रसिद्ध शिक्षाविद् - अध्यक्ष
		(ख)	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का निवर्तमान या वर्तमान निदेशक - सदस्य
		(ग)	भारतीय प्रबंधन संस्थान का निवर्तमान या वर्तमान निदेशक - सदस्य
		(घ)	वर्तमान या निवर्तमान कुलपति के स्तर का एक शिक्षाविद्, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक प्रतिनिधि के रूप में- सदस्य

		(ड)	प्रधान सचिव/सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, दिल्ली सरकार - सदस्य सचिव (पदेन)
		(4)	खोज व चयन समिति, समिति के सदस्य-सचिव को नाम (वर्णक्रमानुसार) अग्रसारित करेगी।
		(5)	कुलपति, उस तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिये पद पर बना रहेगा जिस तिथि से वह अपना पद ग्रहण करता/करती है और एक से अधिक अवधि के लिये पुनर्नियुक्त के लिये योग्य नहीं होगा/होगी: शर्त यह है कि कुलपति के रूप में नियुक्त व्यक्ति अपने कार्यकाल में सत्तर वर्ष की आयु पूरी होने पर पद पर नहीं रहेगा।
		(6)	कुलपति की परिलब्धियां तथा अन्य शर्तें निम्नप्रकार होगी :-
		(i)	कुलपति को 80,000/रुपये प्रतिमाह का वेतन या किसी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति को भुगतान किये गये वेतन के बराबर भुगतान किया जाएगा, जो भी इनमें अधिक हो, जो पारस्परिक सहमत शर्तों के आधार पर बढ़ाया जा सकेगा और वह विश्वविद्यालय की कार के निःशुल्क प्रयोग करने का पात्र होगा, और अपने पूरे कार्यकाल में सुसज्जित आवास का प्रयोग भाड़े का भुगतान किये बिना कर सकेगा और ऐसी कार तथा आवास के रखरखाव संबंधी प्रभार का वहन स्वयं कुलपति नहीं करेगा: शर्त यह है कि यदि कुलपति के रूप में नियुक्त कोई व्यक्ति किसी प्रकार की पेंशन पा रहा है, तो उसका वेतन ऐसी पेंशन की राशि को ध्यान में रखते हुए निश्चित किया जाएगा।
		(ii)	उपखंड (1) में विनिर्दिष्ट वेतन के अतिरिक्त कुलपति समय-समय पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को ग्राह्य-ऐसी छुट्टी, लाभ तथा अन्य भत्ते पाने का पात्र होगा।
		(iii)	कुलपति समय-समय पर कुलाधिपति के अनुमोदन से प्रबन्ध बोर्ड द्वारा यथा नियत ऐसे सेवांत लाभ तथा भत्ते पाने का पात्र होगा: शर्त यह है कि यदि विश्वविद्यालय का या किसी अन्य विश्वविद्यालय या ऐसे अन्य विश्वविद्यालय के नियंत्रणाधीन या सम्बद्ध किसी महाविद्यालय का कोई कर्मचारी कुलपति के रूप में नियुक्त किया जाता है, तो उसे किसी उस भविष्य निधि में अंशदान करने की अनुमति होगी, जिसका वह सदस्य है और विश्वविद्यालय ऐसे व्यक्ति के भविष्य निधि खाते में उसी दर से अंशदान करेगा जिस दर पर ऐसा व्यक्ति कुलपति के रूप में

			<p>अपनी नियुक्ति होने से तुरन्त पहले अंशदान कर रहा था:</p> <p>आगे शर्त यह भी है कि जहां ऐसा कर्मचारी किसी पेंशन योजना का कोई सदस्य था, वहां विश्वविद्यालय ऐसी योजना में आवश्यक अंशदान करेगा।</p>
		(7)	यदि कुलपति का पद मृत्यु, त्यागपत्र या अन्य प्रकार से रिक्त हो जाता है या कुलपति रुग्णता के आधार पर या किसी अन्य कारण अपने दायित्वों का निर्वाह करने में असमर्थ है, तो वरिष्ठतम उप-कुलपति, कुलपति के दायित्वों का निर्वाह करेगा और यदि कोई उप-कुलपति नहीं है तो वरिष्ठतम संकायाध्यक्ष नए कुलपति के पद ग्रहण किये जाने तक या वर्तमान कुलपति अपने पद के दायित्व के पुनः ग्रहण किये जाने तक, जैसी भी स्थिति हो, कुलपति के दायित्वों का निर्वाह करेगा।
कुलपति की शक्तियाँ और कर्तव्य	4.	(1)(क)	कुलपति, शैक्षिक परिषद्, योजना बोर्ड तथा वित्त समिति का पदेन अध्यक्ष होगा।
		(ख)	कुलपति परिषद् की बैठकों की अध्यक्षता करेगा यदि कुलाधिपति ऐसा करने में असमर्थ है।
		(2)	कुलपति को विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकरण या विश्वविद्यालय के किसी अन्य निकाय की बैठक में उपस्थित रहने और भाषण करने का अधिकार होगा लेकिन वह तब तक मतदान करने का पात्र नहीं होगा, जब तक वह ऐसे प्राधिकरण या निकाय का कोई सदस्य नहीं है।
		(3)	यह देखना कुलपति का कर्तव्य/कार्य होगा कि अधिनियम, परिनियमों, अध्यादेशों तथा विनियमों का भलीभाँति अनुपालन हो रहा है तथा ऐसा अनुपालन सुनिश्चित करने के लिये उसके पास सभी आवश्यक शक्तियाँ होंगी।
		(4)	कुलपति, विश्वविद्यालय के कार्यों पर नियंत्रण रखेंगे और विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को प्रभावी बनाएंगे।
		(5)	कुलपति की विश्वविद्यालय में उपयुक्त अनुशासन बनाए रखने के लिये सभी आवश्यक शक्तियाँ होंगी और वह ऐसे अधिकारियों या किसी अधिकारी को ऐसी शक्तियाँ सौंप सकते हैं, जैसा वह उचित समझते हों।
		(6)	कुलपति को विश्वविद्यालय के किसी अधिकारी को छुट्टी देने की शक्ति होगी और उसकी अनुपस्थिति में ऐसे अधिकारी के कार्यों के निष्पादन के लिये आवश्यक व्यवस्था करेगा।

		(7)	कुलपति, नियमानुसार विश्वविद्यालय के किसी कर्मचारी को अनुपस्थिति की छुट्टी दे सकेंगे और यदि वह ऐसा निर्णय करता है, तो विश्वविद्यालय के किसी अन्य अधिकारी को ऐसी शक्ति सौंप सकते हैं।
		(8)	कुलपति, कुलाधिपति के अनुमोदन से परिषद् की बैठक बुलाने या बुलवाने के लिये कुलाधिपति/सरकार को सूचना के अधीन तथा प्रबंध मंडल, शैक्षिक परिषद् योजना बोर्ड एवं वित्त समिति की बैठक/बैठकें बुलाने या बुलवाने की शक्ति होगी।
		(9)	कुलपति को प्रबंध मंडल के अनुमोदन से ऐसी व्यक्तियों की छह माह तक की अवधि के लिये अल्पकालिक नियुक्तियां करने की शक्ति होगी जैसा वह विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली के लिये आवश्यक समझते हो।
अध्यक्ष, प्रबंध मंडल	5.	(1)	अध्यक्ष, प्रबंध मंडल प्रसिद्ध शिक्षाविद्/वैज्ञानिक/टेक्नोलॉजिस्ट/उद्योगपति होंगे जो कुलाधिपति द्वारा नामांकित किया जाएगा और वह विश्वविद्यालय के लिये अंशकालिक।
		(2)	प्रधान सचिव/सचिव, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा तीन ऐसे प्रसिद्ध व्यक्तियों का पेनल तैयार करेगा और मुख्य सचिव को पेनल प्रस्तुत करेगा जो प्रभारी मंत्री/मुख्यमंत्री के माध्यम से कुलाधिपति को पेनल में से एक नाम को संस्तुत करेगा।
उप-कुलपति	6	(1)	प्रत्येक उप-कुलपति, कुलपति की संस्तुतियों के आधार पर प्रबंध बोर्ड द्वारा नियुक्त किया जाएगा: शर्त यह है कि यदि प्रबंध मंडल द्वारा कुलपति की संस्तुति स्वीकार नहीं की जाती है, तो मामला कुलाधिपति को भेजा जाएगा वह या तो कुलपति द्वारा संस्तुत व्यक्ति को नियुक्त कर सकता है या प्रबंध बोर्ड के विचार हेतु कुलपति को किसी अन्य व्यक्ति की संस्तुति करने के लिये अनुरोध कर सकता है।
		(2)	उप-कुलपति के पद का कार्यकाल तीन वर्ष होगा या कुलपति के पद का कार्यकाल समाप्त होने तक रहेगा, जो भी पहले हो और वह पुनःनियुक्ति के लिये योग्य होगा/होगी: शर्त यह है कि उप-कुलपति पैंसठ वर्ष की आयु होने पर सेवानिवृत्त होगा: आगे यह भी शर्त है कि परिनियम के खंड (3ख) के उपखंड 7 के अन्तर्गत कुलपति के कार्यों को करते हुए उप-कुलपति के रूप में अपने कार्यकाल की समाप्ति में कुछ भी होते हुए पद में नए

			कुलपति के पद ग्रहण करने तक या वर्तमान कुलपति के अपने कार्यों के पुनःग्रहण किए जाने तक, जैसी भी स्थिति हो, तक पद पर बने रहेंगे।
		3 (क)	उप-कुलपति का वेतन कुलाधिपति के अनुमोदन से प्रबंध बोर्ड द्वारा यथा निर्णित होगा।
		(ख)	प्रत्येक उप-कुलपति अपने पूरे कार्यकाल में सुसज्जित आवास का प्रयोग भाड़े का भुगतान किए बिना कर सकेगा और ऐसे आवास के रखरखाव संबंधी किसी प्रकार का प्रभार उप-कुलपति स्वयं वहन नहीं करेगा।
		(ग)	उपखंड (क) में विनिर्दिष्ट वेतन के अतिरिक्त उप-कुलपति समय-समय पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को ग्राह्य ऐसी छुट्टी, सेवान्त लाभ तथा अन्य भत्ते पाने का पात्र होगा;
		(घ)	प्रत्येक उप-कुलपति समय-समय पर प्रबंध बोर्ड द्वारा यथा नियत ऐसे लाभों का पात्र होगा;
		(ङ)	प्रत्येक उप-कुलपति अपने कार्यकाल के समाप्त होने तक विश्वविद्यालय के अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान करने का पात्र होगा: शर्त यह है कि यदि विश्वविद्यालय का या किसी महाविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालयों का या ऐसे अन्य विश्वविद्यालय के नियंत्रणाधीन या सम्बद्ध संस्थान का कोई कर्मचारी उप-कुलपति के रूप में नियुक्त किया जाता है, तो वह उसी सेवानिवृत्ति लाभ योजना द्वारा उस पद पर अपने पुनः ग्रहण अधिकार के बने रहने तक नियंत्रित होता/होती रहेगा/रहेगी, जिस योजना का उप-कुलपति के रूप में अपने नियुक्ति से पूर्व वह पात्र था/थी। तथापि सामान्य भविष्य निधि या विश्वविद्यालय अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान के प्रयोजनार्थ वेतन उप-कुलपति के रूप में उसके द्वारा आहरित वेतन होगा।
		(च)	प्रत्येक उप-कुलपति समय-समय पर उसके संबंध में कुलपति द्वारा यथाविनिर्दिष्ट ऐसे मामलों के संबंध में कुलपति की सहयोग करेगा और उपकुलपति द्वारा उसे सौंपी गई ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कर्तव्यों का भी निष्पादन करेगा।
संकायाध्यक्ष	7.	(1)	शैक्षणिक, शोध, परामर्शदात्री एवं विद्यार्थी कल्याण से संबंधित कार्य संव्यवहार के लिये एवं ऐसे अन्य पहलुओं, जो प्रबंध बोर्ड आवश्यक समझे, को संभालने के लिए संकायाध्यक्ष होंगे।

		(2)	<p>प्रत्येक संकायाध्यक्ष की नियुक्ति प्रबंध बोर्ड द्वारा विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों के बीच में से कुलपति द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिये नियुक्ति होगा/होगी तथा वह पुनर्नियुक्ति का/की पात्र होगा/होगी।</p> <p>शर्त यह है कि पैंसठ वर्ष की आयु होने पर कोई संकायाध्यक्ष पद पर नहीं बना रहेगा :</p> <p>आगे यह भी शर्त है कि यदि किसी समय विभाग या विद्यापीठ में कोई प्रोफेसर नहीं है, तो कुलपति या इस संबंध में कुलपति द्वारा प्राधिकृत कोई संकायाध्यक्ष, विभाग या विद्यापीठ के प्रमुख की शक्तियों का प्रयोग करेगा।</p>
		(3)	जब संकायाध्यक्ष का पद खाली है या जहां संकायाध्यक्ष रुग्ण स्वास्थ्य के कारण या किसी अन्य कारण अपने कार्यालय से अनुपस्थित है, अपने पद के कार्यों के निष्पादन में असमर्थ रहने का कोई अन्य कारण है, तो उसके पद के कार्य ऐसे व्यक्ति द्वारा निष्पादित किये जाएंगे जिसको इस प्रयोजन के लिये कुलपति द्वारा नियुक्ति किया जा सकेगा।
		(4)	संकायाध्यक्ष सौंपे गए समस्त कार्यों का प्रमुख होगा/होगी तथा वह सौंपे गए प्रकार्यों के मानकों के रखरखाव एवं संचालन के प्रति उत्तरदायी होगा।
		(5)	संकायाध्यक्ष अध्यादेश द्वारा यथानिर्धारित ऐसे अन्य कार्यों का निष्पादन करेगा।
		(6)	संकायाध्यक्ष को अध्ययन मंडल या विभाग/विद्यापीठ की किसी समिति की बैठक में उपस्थित रहने और बोलने का अधिकार होगा लेकिन इसका कोई सदस्य न बनने तक मतदान का अधिकार नहीं होगा।
कुल सचिव	8.	(1)	प्रत्येक कुल सचिव, कुलाधिपति की संस्तुतियों के आधार पर प्रबंध मंडल द्वारा नियुक्ति किया जाएगा तथा वह विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक वेतनभोगी अधिकारी होगा;
		(2)	कुल सचिव की परिलब्धियां और अन्य सेवा शर्त अध्यादेश द्वारा यथानिर्धारित होगी।

			शर्त यह है कि कोई कुल सचिव बासठ वर्ष की आयु होने पर सेवानिवृत्त होगा। तथापि कुलाधिपति जनहित में अधिकतम पैंसठ वर्ष तक सेवाकाल में बढ़ोतरी कर सकते हैं।
		(3)	जब कुल सचिव का पद रिक्त हो या जब कुल सचिव रुग्णता, अनुपस्थिति या किसी अन्य कारण वह कुल सचिव के रूप में अपने कार्य करने के लिये असमर्थ हैं, तो उसके कार्य ऐसे व्यक्ति द्वारा किए जाएंगे, जिसका कुलपति इस प्रयोजन के लिये नियुक्त कर सकता हो।
		(4)	प्रबंध बोर्ड द्वारा इस संबंध में विशेष रूप से पदनामित किसी कुल सचिव को अध्यापकों को छोड़कर ऐसे कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करने की शक्ति होगी जैसा इस संबंध में किए गए सामान्य या विशेष आदेश द्वारा प्रबंध मंडल द्वारा यथाविनिर्दिष्ट है।
		(5)	खण्ड (4) के अनुसरण में कुल सचिव द्वारा किए गए किसी आदेश के विरुद्ध कुलपति को अपील की जाएगी।
		(6)	जिन मामलों में कोई जांच उजागर करती है कि कुल सचिव की शक्तियों से परे कोई दण्ड है, तो कुल सचिव जांच के उपरांत यथोचित ऐसी कार्रवाई के लिये अपनी सिफारिशों के साथ कुलपति को एक रिपोर्ट देगा : शर्त यह है कि किसी कर्मचारी पर कोई दंड लगाने के लिये कुलपति किसी आदेश के विरुद्ध ऐसी कोई अपील प्रबंध बोर्ड को प्रस्तुत की जायेगी।
		(7)	प्रबंध बोर्ड, कुल सचिव को निम्नलिखित में से किसी एक या अधिक पदों पर कार्य करने के लिये पदनामित कर सकता है, अर्थात्
		(i)	परिषद् का सचिव;
		(ii)	प्रबंध बोर्ड का सचिव;
		(iii)	अकादमिक परिषद् का सचिव;
		(iv)	योजना बोर्ड के सचिव;
		(8)	इस प्रकार पदनामित कोई।
			कुल सचिव सम्बद्ध प्राधिकरण के सन्दर्भ में -

		(क)	प्रबंध बोर्ड के रूप में विश्वविद्यालय के अभिलेख, सांझी मुहर तथा ऐसी अन्य सम्पत्तियों का अभिरक्षा करेगा जो प्रबंध मंडल अपने प्रभार के लिये प्रतिबद्धता कर सकता हो;
		(ख)	उसके द्वारा नियुक्त उस प्राधिकरण तथा समितियों की बैठकों के नोटिस जारी करना तथा बुलाना;
		(ग)	उसके द्वारा नियुक्त उस प्राधिकरण तथा समितियों के कार्यवृत्त संभालना;
		(घ)	सरकारी कार्रवाई तथा पत्राचार संचालित करना; तथा
		(ङ)	विश्वविद्यालय के प्राधिकरणों की बैठकों के एजेण्डे और ऐसी बैठकों के कार्यवृत्त के जारी होते ही इसकी प्रत्येक प्रति कुलाधिपति को सौंपना;
		(9)	विश्वविद्यालय द्वारा या इसके विरुद्ध वादों या कार्यवाहियों में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिये, इस उद्देश्य के लिए मुख्यतारनामे पर हस्ताक्षर करने हेतु दलीलों की पुष्टि करने के लिये तथा अपना प्रतिनिधि प्रतिनियुक्ति के लिये कुलपति द्वारा कुल सचिव पदनामित किया जा सकता है।
		(10)	कुल सचिव, विश्वविद्यालय के किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिये ट्रस्ट तथा अचल संपत्ति सहित विश्वविद्यालय की संपत्तियों की संभाल तथा प्रबंध करेंगे।
		(11)	पंजीयक सुनिश्चित करेंगे कि विश्वविद्यालय की संपत्तियों के रजिस्ट्रों का रखरखाव भलीभाँति किया जाता है और विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित, महाविद्यालयों और संस्थानों सहित विश्वविद्यालय के कार्यालयों और शाखाओं में उपकरणों तथा अन्य सामग्री के स्टॉक की जांच की गई है।
		(12)	कुल सचिव, परिनियमों, अध्यादेशों या विनियमों में यथाविनिर्दिष्ट ऐसे अन्य कार्यों या समय-समय पर प्रबंध बोर्ड या कुलपति द्वारा यथा अपेक्षित ऐसे अन्य कार्यों को करेंगे।
वित्त नियंत्रक	9.	(1)	वित्त नियंत्रक, कुलाधिपति की संस्तुति के आधार पर प्रबंध बोर्ड द्वारा नियुक्त किया जाएगा और वह विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक वेतनभोगी अधिकारी होगा तथा प्रबंध मंडल के नियंत्रण में कार्य करेगा।
		(2)	वित्त नियंत्रक की परिलब्धियां और अन्य सेवा शर्तें अध्यादेश द्वारा निर्धारित होगी:

			शर्त यह है कि वित्त नियंत्रक 62 वर्ष की आयु होने पर सेवानिवृत्त होंगे।
		(3)	जब वित्त नियंत्रक का पद रिक्त रहता है या जब वित्त नियंत्रक रुग्णता, अनुपस्थिति या किसी अन्य कारण वित्त नियंत्रक के रूप में अपने कार्य करने में असमर्थ है, तो उसके कर्तव्य ऐसे व्यक्ति द्वारा निष्पादित किए जाएंगे, जो कुलपति इस प्रयोजन के लिये नियुक्त कर सकते हैं और इसकी सूचना कुलाधिपति को देंगे।
		(4)	वित्त नियंत्रक —
		(क)	विश्वविद्यालय की निधियों की सामान्य देखरेख करेंगे तथा उसकी वित्तीय नीतियां के संबंध में सलाह देंगे, तथा
		(ख)	प्रबंध मंडल द्वारा उसे सौंपे गए ऐसे अन्य वित्तीय कार्यों का या परिनियमों या अध्यादेश द्वारा यथानिर्धारित कार्यों का निष्पादन करेंगे।
			उपबन्ध है कि वित्त नियंत्रक, सक्षम प्राधिकारी के पूर्वानुमोदन के बिना तीन लाख रुपये से अधिक या प्रबंधन बोर्ड द्वारा निश्चित राशि से अधिक राशि खर्च नहीं करेगा।
		(5)	कुलपति तथा प्रबंधन बोर्ड के नियंत्रण के अंतर्गत वित्त नियंत्रक —
		(क)	विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित वित्तीय नियमों तथा विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा ;
		(ख)	कुलपति के अनुमोदन से विश्वविद्यालय निधियों के समुचित तथा यथासमय निवेश के लिए उत्तरदायी होगा ;
		(ग)	लेखा पुस्तकों की रचना को वित्त समिति द्वारा अनुमोदित करवाने के लिए उत्तरदायी होगा ;
		(घ)	विश्वविद्यालय की लेखा पुस्तकों को आंतरिक तथा बाहरी लेखा परीक्षा करवाने के लिए उत्तरदायी होगा ;
		(ङ)	यह देखेगा कि वित्त समिति द्वारा एक वर्ष के लिए आवर्ती एवं गैर-आवर्ती खर्चों की सीमा का उल्लंघन न हो तथा धन केवल उन्हीं उद्देश्यों के लिए खर्च किया जाए जिनके लिए प्रदान या

			आबंटित किया गया था ;
		(च)	विश्वविद्यालय के बजट और वार्षिक लेखा तैयार करने तथा वित्त समिति के विचार किए जाने के पश्चात् प्रबंधन बोर्ड का प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी होगा ;
		(छ)	नकदी, बैंक शेष तथा निवेश पर लगातार निगरानी रखेगा ;
		(ज)	राजस्व संग्रह की प्रगति पर नजर रखेगा तथा संग्रह में अपर्नायी जाने वाली विधि पर सलाह देगा ;
		(झ)	कुलपति की सूचना में अनाधिकृत खर्च या अन्य वित्तीय अनियमितताओं को लाएगा तथा कसूरवार व्यक्ति के विरुद्ध उपयुक्त कार्यवाही का सुझाव देगा, तथा
		(ञ)	विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय द्वारा पोषित विश्वविद्यालयों के किसी कार्यालय से ऐसी रिपोर्ट/सूचना मंगा सकता है जो वह अपने प्रकार्यों के निष्पादन हेतु आवश्यक समझता है ।
		(6)	वित्त नियंत्रण या इस आशय के लिए प्रबंधन बोर्ड द्वारा विधिवत अधिकृत व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा दी गई रसीद विश्वविद्यालय को दिए गए भुगतान का पर्याप्त निपटान होगा ।
पुस्तकालयाध्यक्ष	10.		पुस्तकालयाध्यक्ष नियुक्ति के सददेश्य के लिए गठित चयन समिति की सिफारिशों पर प्रबंधन बोर्ड द्वारा नियुक्त पूर्णकालिक वेतनभोगी अधिकारी होगा तथा उसके पास प्रबंधन बोर्ड द्वारा यानि सुनिश्चित शैक्षिक योग्यताएं होंगी तथा उन्हीं शक्तियों का प्रयोग और कर्तव्यों का निर्वहन करेगा ।
प्रबंधन बोर्ड	11.	(1)	प्रबंधन बोर्ड के पास विश्वविद्यालय के राजस्व तथा सम्पत्तियों के प्रबंधन तथा प्रशासन की शक्तियाँ होंगी तथा विश्वविद्यालय के उन सभी प्रशासनिक कार्यों का संचालन करेगा जिनके लिए अन्यथा उपबन्ध नहीं किए गए हैं ।
		(2)	अधिनियम, परिनियमों तथा अध्यादेशों के प्रावधानों की शर्त पर एवं परिनियमों के द्वारा उसमें सन्निहित अन्य शक्तियों के अलावा निम्नलिखित शक्तियाँ भी होंगी, अर्थात् :-
		(क)	विश्वविद्यालय तथा कालेजों में अध्यापन एवं अन्य शैक्षणिक पदों का सृजन तथा प्रोफेसर्स, एसोसिएट प्रोफेसर्स, सहायक प्रोफेसर्स तथा अन्य शिक्षकों तथा विद्यालय द्वारा नियुक्त अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों के प्रकार्यों तथा सेवा शर्तों को शैक्षणिक परिषद की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए परिभाषित करना ;

		(ख)	शैक्षणिक परिषद् की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की शैक्षिक योग्यताओं तथा अन्य पात्रता शर्तों का निर्धारण करना;
		(ग)	नियुक्ति के उद्देश्य के लिए गठित चयन समिति का सिफारिशों पर प्रोफेसरों, एसोसिएट प्रोफेसरों, सहायक प्रोफेसरों तथा अन्य शिक्षकों तथा यथावश्यक अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति करना;
		(घ)	किसी शैक्षणिक तथा गैर अध्यापन स्टाफ की अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्तियाँ करना;
		(ङ)	शैक्षणिक तथा गैर अध्यापन स्टाफ की अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्ति की पद्धति को विनिर्दिष्ट करना ;
		(च)	विजिटिंग प्रोफेसरों, पीठासीन प्रोफेसरों की नियुक्तियों की व्यवस्था करना तथा ऐसी नियुक्ति की शर्तें निर्धारित करना;
		(छ)	वित्त समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक, लिपिकीय, तकनीकी तथा अन्य आवश्यक पदों का सृजन तथा उनकी नियुक्ति पद्धति विनिर्दिष्ट करना;
		(ज)	गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की शैक्षिक योग्यताएँ तथा अन्य पात्रता शर्तें निर्धारित करना ;
		(झ)	गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु गठित चयन समिति की सिफारिशों पर यथावश्यक गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति करना;
		(ञ)	परिनियमों तथा अध्यादेशों के अनुसार कर्मचारियों में अनुशासन लागू तथा विनियमन करना;
		(ट)	विश्वविद्यालय की तरफ से चल तथा अचल संपत्तियों का अंतरण या अंतरण प्राप्त करना;
		(ठ)	विश्वविद्यालय के कर्मचारियों तथा विद्यार्थी जो किसी कारण से असंतुष्ट महसूस करते हैं उनकी शिकायतों पर कार्यवाही करना, न्याय करना या निवारण करना;
		(ड)	वित्त समिति के परामर्श से परीक्षा निरीक्षकों को देय यात्रा और अन्य भत्तों की राशि निश्चित करना;
		(ढ)	विश्वविद्यालय की सामान्य मोहर तय करना तथा उस मोहर के

			प्रयोग हेतु उपबंध बनाना;
		(ण)	अपनी कोई शक्ति कुलपति तथा कुलपति की सिफारिश पर उपकुलपतियों, कुल सचिवों, वित्त नियंत्रक या विश्वविद्यालय के किसी अन्य अधिकारी, कर्मचारी या प्राधिकारी या इसके द्वारा नियुक्त समिति को प्रत्यायोजित करना;
		(त)	फैलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, स्कालरशिप स्थापित करना;
		(थ)	अधिनियम या परिनियमों द्वारा प्रदान या सौंपे गए अन्य कार्यों का निष्पादन तथा शक्तियों का प्रयोग करना;
		(3)	प्रबंधन बोर्ड विश्वविद्यालय के लक्ष्य की पूर्ति हेतु उन सभी शक्तियों का प्रयोग करेगा जिनका प्रावधान अधिनियम, परिनियमों, अध्यादेशों तथा विनियमों में नहीं किया गया है।
		(4)	प्रबंधन बोर्ड की बैठक प्रत्येक तीन मास में कम से कम एक बार होगी।
शैक्षणिक परिषद	12.	(1)	शैक्षणिक परिषद निम्नलिखित कार्य करेगी :-
		(क)	विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीति का सामान्य पर्यवेक्षण तथा शिक्षा, मूल्यांकन या शोध या शैक्षणिक मानकों में सुधार संबंधी निर्देश देना;
		(ख)	सामान्य शैक्षणिक हित के विषयों पर स्वयं विचार करना या नियोजन बोर्ड या विभाग/स्कूल ऑफ स्टडीज या प्रबंधन बोर्ड के संदर्भ पर विचार करना तथा उस पर समुचित कार्यवाही करना ; तथा
		(ग)	ऐसे विनियम तैयार करना जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक कार्यप्रणाली संबंधी परिनियमों तथा अध्यादेशों के सामंजस्य में हो इनमें अनुशासन, दाखिला फैलोशिप छात्रवृत्ति प्रदान करना, फीस या अन्य शैक्षणिक अपेक्षाओं संबंधी विनियम भी शामिल हैं।
		(2)	शैक्षणिक परिषद की प्रत्येक चार माह में एक बार बैठक होगी।
		(3)	शैक्षणिक परिषद परिनियम 17(1) के अधीन गठित चयन समितियों के सदस्यों के लिए विशेषज्ञों /व्यावसायियों की सूची तैयार करेगी। विशेषज्ञों /व्यावसायियों की यह सूची जब भी मांगी जाये सचिव, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के माध्यम से

			सरकार को भेजी जायेगी । शैक्षणिक परिषद तैयार सूची में से विशेषज्ञों / व्यावसायियों को हटा सकती है ।
योजना बोर्ड	13.	(1)	योजना बोर्ड में कुलपति तथा प्रबन्धन बोर्ड द्वारा मनोनीत छह तक सदस्य होंगे;
		(2)	कुलपति को छोड़कर योजना बोर्ड के सभी सदस्यों जिनकी संख्या छह से अधिक नहीं होगी, का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा जिनका मनोनयन प्रबंधन बोर्ड करेगा;
		(3)	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के विकास और विस्तार हेतु समुचित योजनाएं तैयार करेगा तथा इसके अलावा उसे विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यथावश्यक अन्य मामलों पर प्रबंधन बोर्ड तथा शैक्षणिक परिषद को सलाह देने का भी अधिकार होगा;
		(4)	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के नियोजन एवं कार्यक्रमों की निगरानी के लिए यथावश्यक समितियों का गठन कर सकता है;
		(5)	योजना बोर्ड समुचित अंतराल पर अपनी बैठक कर सकता है परन्तु वर्ष में कम से कम दो बार अवश्य बैठक करेगा ।
स्कूल विभाग	14.	(1)	विश्वविद्यालय में ऐसे विभाग तथा अध्ययन स्कूल होंगे जैसा अध्यादेशों में विनिर्दिष्ट किया गया है ।
		(2)	प्रत्येक विभाग या अध्ययन स्कूल का विभागाध्यक्ष होगा जैसा परिणियमों में निर्धारित किया गया है ।
		(3)	विभागों तथा स्कूलों का संघटन एवं प्रकार्य अध्यादेशों में विनिर्देशन के अनुसार होंगे ।
अध्ययन बोर्ड	15.	(1)	प्रत्येक विभाग तथा अध्ययन स्कूल, जैसी भी स्थिति हो को शैक्षणिक मामलों पर सलाह देने के लिए अध्ययन बोर्ड होगा जिसमें पाठ्यचर्या का निर्माण, और अद्यतन बनाने संबंधी विषय भी शामिल होंगे ।
		(2)	अध्ययन बोर्ड का संघटन तथा इसके प्रकार्य अध्यादेशों में विनिर्देशन के अनुसार होंगे ।
वित्त समिति	16.	(1)	वित्त समिति विश्वविद्यालय की वित्तीय नीतियां विकसित करेगी और विश्वविद्यालय के राजस्व एवं व्यय पर नजर रखेगी ।
		(2)	वित्त समिति विश्वविद्यालय की गतिविधियों के माध्यम से राजस्व

			उत्पन्न करने संबंधी संस्तुतियां करेगी और वित्त समिति की ये संस्तुतियां प्रबंधन बोर्ड के समक्ष निर्णय के लिये प्रस्तुत की जाएगी।
		(3)	वित्त समिति विश्वविद्यालय की संचालनात्मक कार्यकुशलता सुधारने, राजस्व पैदा करने के उपाय और विश्वविद्यालय के प्रमुख व्यय प्रस्तावों संबंधी प्रबंध मंडल द्वारा यथापेक्षित संस्तुतियां करेगी।
		(4)	वित्त नियंत्रक वित्त समिति का पदेन सचिव होगा।
		(5)	वित्त नियंत्रक द्वारा तैयार विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखें तथा बजट अनुमोदन हेतु वित्त समिति के समक्ष प्रस्तुत किये जायेंगे तथा उसके पश्चात् प्रबंधन बोर्ड को प्रस्तुत किये जायेंगे।
चयन समितियां	17.	(1)	प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, व्याख्याता और अन्य शैक्षिक स्टाफ के पदों पर नियुक्ति के लिये प्रबंधन बोर्ड को सिफारिश करने के लिये चयन समितियां गठित की जाएगी।
		(2)	<p>प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और अन्य शैक्षिक स्टाफ के पदों पर नियुक्ति के लिये प्रत्येक चयन समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :-</p> <p>(i) कुलपति;</p> <p>(ii) प्रधान सचिव/सचिव, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग या उसका मनोनीत;</p> <p>(iii) प्रबंधन बोर्ड का एक नामित संबंधित विषय का डीन;</p> <p>(iv) विश्वविद्यालय से असम्बद्ध कुलपति द्वारा मनोनीत प्रत्येक विभाग/स्कूल के लिए शैक्षणिक परिषद् द्वारा अनुमोदित कम से कम सात नामों की सूची से तीन विशेषज्ञ;</p> <p>(v) चयन समिति के चार सदस्य (जिसमें कम से कम दो विशेषज्ञ होंगे) खंड (2) के अन्तर्गत गठित चयन समिति की किसी बैठक की गणपूर्ति के लिये होंगे।</p>
		(3)	<p>विश्वविद्यालय द्वारा पोषित कॉलेजों के प्रमुख के पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् -</p> <p>(i) कुलपति;</p> <p>(ii) प्रधान सचिव/सचिव, तकनीकी शिक्षा, दिल्ली सरकार या</p>

			<p>उसका मनोनीत व्यक्ति;</p> <p>(iii) कुलपति द्वारा मनोनीत तीन प्रसिद्ध व्यावसायी जो शैक्षणिक परिषद् द्वारा अनुमोदित प्रधानाचार्य/निदेशक पद के पैनल से हो ।</p> <p>(iv) कुलपति द्वारा मनोनीत प्रबंधन बोर्ड का एक सदस्य । चार सदस्यों से गणपूर्ति होगी जिसमें कम से कम एक सदस्य उक्त वर्ग (iii) से होना चाहिए ।</p>
		(4)	<p>शैक्षणिक कर्मचारियों को छोड़कर विभिन्न वर्ग के पदों की नियुक्ति के लिए प्रत्येक चयन समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्:-</p> <p>(i) कुलपति या उसका मनोनीत व्यक्ति जो विश्वविद्यालय के उपकुलपति से कम रैंक का न हो;</p> <p>(ii) प्रधान सचिव/सचिव, तकनीकी शिक्षा, दिल्ली सरकार या उसका मनोनीत व्यक्ति;</p> <p>(iii) कुलसचिव;</p> <p>(iv) राजपत्रित अधिकारी के रैंक का अनुसूचित जाति एवं जनजाति के प्रतिनिधि; उपबन्ध है कि जहां आवश्यक हो चयन समितियों में कुलपति द्वारा दो विशेषज्ञ मनोनीत किए जा सकते हैं ।</p>
		(5)	<p>उपखण्ड (4) के अन्तर्गत गठित चयन समितियों की बैठक में गणपूर्ति रहनी चाहिए ।</p>
		(6)	<p>परिनियम के अन्तर्गत गठित चयन समितियों द्वारा संस्तुति किए जाने हेतु अपनाई जाने वाली प्रक्रिया अध्यादेश में उल्लेख के अनुसार होगी ।</p>
नियुक्ति की विशेष पद्धति	18.	(1)	<p>परिनियम 17 में कुछ भी रहते हुए प्रबंधन बोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर या अन्य समान शैक्षिक पद को स्वीकार करने के लिए उच्च शैक्षणिक विशिष्टता प्राप्त प्रोफेशनल प्रतिष्ठा प्राप्त व्यक्ति को यथोचित शर्तों पर आमंत्रित करके उस पद पर नियुक्त भी कर सकता है ।</p>
		(2)	<p>प्रबंधन बोर्ड किसी अन्य विश्वविद्यालय या संगठन में कार्यरत शैक्षणिक स्टाफ के किसी सदस्य को अध्यापन या परियोजना तैयार करने के लिये या किसी अन्य कार्य के लिए प्रबंधन बोर्ड द्वारा यथानिर्धारित शर्तों पर परिनियमों में विनिर्दिष्ट पद्धति से नियुक्त कर सकता है ।</p>

मान्यता प्राप्त शिक्षक	19	(1)	विश्वविद्यालय द्वारा पोषित कालेज में कार्यरत शिक्षक को मान्यता प्रदान करने के लिए शैक्षिक योग्यताएँ तथा पात्रता शर्तें अध्यादेश में यथानिर्धारित रूप में होंगी ।
		(2)	कालेज में शिक्षकों का मान्यता प्रदान करने के सभी मामलों पर परिनियम 17 के खंड (1) के अन्तर्गत गठित चयन समिति द्वारा कार्यवाही की जाएगी तथा अनुमोदित किए जायेंगे ।
समितियाँ	20.	(1)	विश्वविद्यालय का कोई प्राधिकारी यथोचित स्थायी या विशेष समितियों को नियुक्ति कर सकता है तथा समितियों में ऐसे व्यक्तियों की नियुक्ति कर सकता है जो उस अधिकरण के सदस्य नहीं हैं ।
		(2)	खंड(1) के अन्तर्गत नियुक्त कोई समिति उसे सौंपे गए किसी भी विषय पर कार्यवाही कर सकती है तथा, कोई कार्यवाही, यदि कोई है, करने से पहले उसे नियुक्त करने वाले प्राधिकरण से अनुमति प्राप्त करेगी ।
संस्थान के शिक्षण तथा अन्य अकादमिक स्टाफ के लिये सेवा शर्तें और आचार संहिता	21.	(1)	विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापक तथा अन्य शैक्षणिक स्टाफ किसी विपरीत करार की अनुपस्थिति में अधिनियम, परिनियमों तथा अध्यादेशों द्वारा यथा विनिर्दिष्ट सेवा शर्तों और आचार संहिता द्वारा नियंत्रित होगा ।
		(2)	शैक्षणिक स्टाफ का प्रत्येक अध्यापक तथा सदस्य एक लिखित सविदा पर नियुक्त होगा ।
		(3)	खण्ड (2) में संदर्भित प्रत्येक सविदा की एक प्रति कुल सचिव के पास जमा होगी ।
विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारियों की सेवा शर्तें तथा आचार संहिता	22.		विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक स्टाफ के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारी प्रतिकूल करार की अनुपस्थिति में परिनियमों तथा अध्यादेशों में विनिर्दिष्ट सेवा शर्तों तथा आचार संहिता द्वारा शासित होंगे ।
विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को हटाना	23.	(1)	यदि, किसी विश्वविद्यालय के अध्यापक शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य या किसी कर्मचारी के विरुद्ध दुराचरण का कोई गंभीर आरोप है तो किसी शिक्षक या अकादमिक स्टाफ के किसी सदस्य की स्थिति में कुलपति तथा किसी अन्य कर्मचारी की स्थिति में, नियुक्ति के लिये सक्षम प्राधिकारी (इसके बाद नियुक्ति प्राधिकरण के रूप में सन्दर्भित) लिखित आदेश से ऐसे अध्यापक, शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य या अन्य कर्मचारी को निलम्बित कर सकते हैं और प्रबंधन

			बोर्ड को तत्काल सूचित करेगा जिन परिस्थितियों में ऐसा आदेश किया गया है। प्रबंधन बोर्ड के नियुक्ति प्राधिकरण होने की स्थिति में ऐसी जानकारी प्रबंधन बोर्ड के स्तर पर होगी।
		(2)	कर्मचारियों की नियुक्ति की संविदा की शर्तों में निहित या सेवा शर्तों में निहित किसी बात की अन्यथा होते हुए शिक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक स्टाफ के संबंध में प्रबंधन बोर्ड तथा अन्य कर्मचारियों के संबंध में नियुक्ति प्राधिकारी को कदाचार के आधार पर शिक्षक अथवा शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य अथवा अन्य कर्मचारियों, जैसी भी स्थिति हो, को हटाने की शक्ति होगी।
		(3)	पूर्वोक्त के बचाव में प्रबंधन बोर्ड अथवा नियुक्ति प्राधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, किसी शिक्षक, शैक्षणिक स्टाफ के किसी सदस्य अथवा किसी कर्मचारी को किसी उचित कारण के बिना तथा संबंधित व्यक्ति को एक माह की सूचना देने के पश्चात् अथवा उसके स्थान पर उसे माह का वेतन भुगतान किये बिना हटाने का हकदार नहीं होगा।
		(4)	किसी अध्यापक, अकादमिक स्टाफ के किसी सदस्य या अन्य कर्मचारी को खण्ड (2) या खण्ड (3) के अन्तर्गत तब तक हटाया नहीं जाएगा जब तक उसके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध कारण बताने का एक यथोचित अवसर न दिया गया हो।
		(5)	किसी शिक्षक, शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य अथवा अन्य कर्मचारी की बर्खास्तगी उसके बर्खास्तगी के आदेश की तारीख से प्रभावी होगी।
		(6)	इन परिनियमों के पूर्वोक्त उपबन्धों में कुछ भी रहते हुए कोई शिक्षक, शैक्षणिक स्टाफ का कोई सदस्य या अन्य कर्मचारी प्रबंधन बोर्ड या नियुक्ति अधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, को एक मास का नोटिस देकर या उसके बदले में एक माह का वेतन देकर त्याग पत्र दे सकता है; उपबन्ध है कि ऐसे त्याग पत्र केवल उस तारीख से प्रभावी होगा जब से वह प्रबंधन बोर्ड अथवा नियुक्ति प्राधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा स्वीकार किया जाता है।
संस्थान के विद्यार्थियों के बीच अनुशासन बनाए रखना	24.	(1)	विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के सम्बन्ध में अनुशासन एवं अनुशासनिक कार्यवाही सम्बन्धी शक्तियां कुलपति के पास होंगी जो अपनी समस्त या कुछ शक्तियों को विश्वविद्यालय ऐसे प्राधिकारियों को सौंप सकते हैं जैसा वह उचित समझे।

		(2)	अनुशासन के अनुपालन सम्बन्धी अपनी शक्तियों की सामान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना तथा अनुशासन बनाए रखने के यथोचित ऐसी कार्यवाही करने के लिये कुलपति अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश द्वारा निदेश दे सकते हैं कि छात्रों को किसी संस्थान से उल्लिखित अवधि के लिए किसी विश्वविद्यालय या पोषित कॉलेज में अध्ययन के किसी पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रमों से निष्कासित किया जाए या प्रवेश न दिया जाए या आदेश में विनिर्दिष्ट किसी राशि के लिए दण्डित किया जाए या विश्वविद्यालय की परीक्षा या परीक्षाओं से एक या अधिक वर्षों के लिए रोक लगा दी जाए या उस परीक्षा या परीक्षाओं में सम्बद्ध छात्र या छात्रों के परीक्षा परिणाम रद्द किए जाएं जिसमें उसने या उन्होंने भाग लिया है।
		(3)	संस्थानों के प्रमुखों को संबंधित कॉलेजों तथा संस्थाओं के छात्रों के मामले में ऐसी समस्त अनुशासनात्मक शक्तियां प्रयोग करने का प्राधिकार होगा जैसा ऐसे कॉलेज तथा संस्थाओं के उचित एवं प्रभावी कार्यप्रणाली के लिये आवश्यक हो।
इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान से स्थानान्तरित कर्मचारियों के संबंध में अन्य उपबंध	25	(1)	कुलपति, इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान के कर्मचारियों के विषय में इंदिरा गांधी दिल्ली प्रौद्योगिकी महिला विश्वविद्यालय के निदेशक की समस्त शक्तियों का प्रयोग करेगा।
		(2)	जब तक विश्वविद्यालय इस विषय पर विशेष परिनियम, अध्यादेश या विनियम नहीं बनाता, इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान पर लागू होने वाले सामान्य विनियम या प्रक्रियाएं इन कर्मचारियों पर लागू होती रहेगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,
ए. के. गुप्ता, उप-निदेशक (सचिवालय शाखा)

DEPARTMENT OF TRAINING AND TECHNICAL EDUCATION

NOTIFICATION

Delhi, the 18th October, 2012

F. No. 1 (2021)/SB/DTTE/2012/1915.—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 30 read with section 29 of the Indira Gandhi Delhi Technical University for Women Act, 2012(Delhi Act No. 9 of 2012), the Government of National Capital Territory of Delhi, after obtaining the prior approval of Chancellor, hereby makes the following statutes for Indira Gandhi Delhi Technical University for Women Act, 2012, namely:--

1. Short Title and Commencement -

- (1) These statutes may be called the the Indira Gandhi Delhi Technical University for Women (First) Statutes 2012;
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions – (i) In these Statutes, unless the context otherwise requires -

- (a) “**Act**” means the Indira Gandhi Delhi Technical University for Women Act 2012; (Delhi Act 09 of 2012)
- (b) “**Academic Staff**” shall mean Professor, Associate Professor, Assistant Professor, Librarian, Deputy Librarian, Assistant Librarian, Programmer, System Manager, Foreman Instructor, Director Physical Education and such other Academic posts as may be decided by the Board of Management;
- (c) “**Board of Studies**” means of Board of Studies of a Department/ School;
- (d) “**Clause**” means the clause of a Statutes in which that expression occurs;
- (e) “**Faculty**” means a faculty of the University comprising one or more departments or schools grouped together for academic functions;
- (f) “**Head**” Means Head of the Department or School;
- (g) “**Head of College**” means the Principal or Director of the College;
- (h) “**Non Teaching Staff**” includes Registrar, Controller of Finance, Controller of Examinations, Technical Staff, Administrative, Ministerial and other staff as may be decided by the Board of Management;
- (i) “**Section**” means a section of the Act;

(ii) Words and expressions used but not defined in these Statutes and defined in the Act, shall have the same meanings as assigned to them in the Act.

3 (A) The Chancellor and his functions - The Chancellor, by virtue of his office shall be the Chairman of the Court.

(B) The Vice Chancellor - (1) The Vice Chancellor shall be a whole time salaried officer of the University;

(2) The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor from a panel of three names (written in alphabetical order) recommended by the search- cum- selection committee.

(3) The search-cum-selection committee referred to in sub clause (2) shall comprise of -

- (a) an eminent academician - Chairman
- (b) former or present Director of a Indian Institute of Technology- Member

- (c) former or present Director of Indian Institute of Management-- Member
- (d) an academician of the level of Vice Chancellor, present or former, as a nominee of the University Grant Commission-Member.
- (e) Pr. Secretary/Secretary in the Technical Education Department of the Government - Member Secretary (ex-officio)

(4) The search-cum- selection committee shall forward the names (in the alphabetical order) to the member secretary of the Committee.

(5) The Vice Chancellor shall hold office for a term of five years from the date he/ she enters upon his office and shall be eligible for reappointment for not more than one term:

Provided that the person appointed as Vice Chancellor shall, on completion of seventy years of age during his/her term of office ceases to hold office.

(6) The emoluments and other conditions of service of the Vice Chancellor shall be as follows: ---

(i) The Vice Chancellor shall be paid a salary of Rs. 80,000/- per month or the salary paid to the Vice Chancellor of a Central University whichever is higher, which may be subject to enhancement of mutually agreed terms and he shall be entitled to the free use of the University Car and, without payment of rent, to the use of furnished residence throughout his/ her terms of office and no charge shall fall on the Vice Chancellor personally in respect of the maintenance of such as car and residence:

Provided that if a person in receipt of any pension is appointed as Vice Chancellor, his salary shall be fixed after taking into consideration such pension.

(ii) In addition to the salary specified in sub clause (i), the Vice Chancellor shall be entitled to such leave, benefits and allowances as are admissible to the University employees from time to time;

(iii) The Vice Chancellor shall be entitled to such terminal benefits and allowances as may be fixed by the Board of Management with the approval of the Chancellor from time to time:

Provided that where an employee of the University or of any other University or of any college maintained by or affiliated to

such other university is appointed as Vice Chancellor, he may be allowed to continue to contribute to such provident fund of which he is a member and University shall contribute to the account of such person in that Provident Fund at the same rate at which such person had been contributing immediately before his appointment as Vice Chancellor.

Provided further that where such employee had been a member of any pension scheme, the University shall make necessary contribution to such schemes.

(7) If the office of the Vice Chancellor becomes vacant due to death, resignation or otherwise, or if he is unable to perform his duties due to ill health or any other reason, the senior most Pro-Vice Chancellor shall perform the duties of the Vice Chancellor, and if there is no Pro Vice Chancellor, the senior most Dean shall perform the new functions of the Vice Chancellor until the new Vice Chancellor assumes office or until the existing Vice Chancellor resumes the duties of his office, as the case may be.

4. Powers and functions of the Vice Chancellor - (1) (a) The

Vice Chancellor shall be ex- officio Chairman of the Academic Council, the Planning Board and the Finance Committee.

(b) The Vice Chancellor shall chair the meetings of the Court, in case Chancellor is unable to do so.

(2) The Vice Chancellor shall be entitled to be present at and address meeting of any other authority or any other body of the University but shall not be entitled to vote unless he/she is a member of such authority or body.

(3) It shall be the duty of the Vice Chancellor to ensure compliance of directions issued by Chancellor from time to time and to see that the Act, the Statutes, the Ordinances and the Regulations are duly observed. He shall have all the powers to ensure such observance.

(4) The Vice Chancellor shall exercise control over the affairs of the University and shall give effect to the decision of all the authorities of the University.

(5) The Vice Chancellor shall have all the powers necessary for the proper maintenance of discipline in the University and he may delegate any such power to such officers or officers as he may deem fit.

(6) The Vice Chancellor shall be empowered to grant leave to any officer of the University and make necessary arrangement for the discharge of the functions of such officers during his absence.

(7) The Vice Chancellor shall grant leave of absence to any employee of the University in accordance with the Rules and, if so decides, may delegate such power to another officer of the University.

(8) The Vice Chancellor shall have the power to convene or cause to be convened the meeting of the Court, with the approval of Chancellor, and the meeting of the Board of Management, the Academic Council the Planning Board and Finance Committee.

(9) The Vice Chancellor shall have the power to make short term appointment, with the approval of Board of Management for a period not exceeding six months of such persons as he may consider necessary for the functioning of the University, under intimation to Chancellor/Government.

5. The Chairman Board of Management - (i) The Chairman, Board of Management, shall be eminent Educationalist / Scientist / Technologist / Industrialist who is to be nominated by the Chancellor, and who shall work part time for the University;

(ii) The Principal Secretary/Secretary, TTE shall draw a panel of three such eminent persons and submit the panel to the Chief Secretary, who shall recommend a name from the panel to the Chancellor through Minister in-charge / Chief Minister.

6. The Pro Vice Chancellor - (1) Every Pro Vice Chancellor shall be appointed by the Board of Management on the recommendation of the Vice Chancellor:

Provided that if the recommendation of the Vice Chancellor is not accepted by the Board of Management, the matter shall be referred to the Chancellor who may either appoint the person recommended by the Vice Chancellor or to request the Vice Chancellor to recommend another person for consideration of the Board of Management.

(2) The term of office of a Pro- vice Chancellor shall be three years or until the expiry of the terms of office of the Vice chancellor, whichever is earlier, and he shall be eligible for reappointment;

Provided that a pro Vice Chancellor shall retire on attaining the age of sixty five years:

Provided further that a Pro Vice Chancellor shall while performing the functions of the Vice Chancellor under clause 3 (B) and sub clause 7 of Statute, continue in office notwithstanding the expiry of his term of office as pro Vice Chancellor until a new Vice Chancellor assumes office or until the existing Vice Chancellor resumes his duties as case may be.

(3) (a) The salary of a pro Vice Chancellor shall be as decided by the Board of Management with the approval of the Chancellor;

(b) Every Pro Vice Chancellor shall be entitled, without payment of rent, to the use of furnished residence throughout his term of office and no charge shall fall on the pro Vice Chancellor personally in respect of maintenance of such residence;

(c) In addition to the salary specified in sub-clause (a), a Pro Vice Chancellor shall be entitled to such leave, benefits and other allowances as admissible to the employees of the University from time to time;

(d) Every Pro Vice Chancellor shall be entitled to such terminal benefits as may be fixed by the Board of Management from time to time;

(e) Every Pro Vice Chancellor shall be entitled to subscribe to the Contributory Provident Fund of the University till the end of his tenure:

Provided that where an employee of the University or a college of any other university or institution maintained by or affiliated to such other university is appointed as Pro Vice Chancellor, he shall continue to be governed by the same retirement benefit scheme to which he/she was entitled prior to his appointment as Pro-Vice Chancellor till he continues to hold his/her lien on that post. However, the pay for the purpose of subscription to the General Provident fund or subscription to the University Contributory Fund shall be the pay drawn by him as Pro Vice chancellor.

(f) Every Pro Vice Chancellor shall assist the Vice Chancellor in respect of such matters as may be specified by the Vice Chancellor in his behalf from time to time and shall also exercise such powers and perform such functions as may be delegated to him by the Vice Chancellor.

7. The Deans— (1) There shall be Deans to deal with academics, research, consultancy and student welfare and with such other aspects as the Board of Management deem it necessary.

(2) Every Dean shall be appointed by the Vice-Chancellor amongst the professors of the University for a period of three years and he shall be eligible for reappointment:

Provided that a Dean on attaining the age of sixty five years shall cease to hold office as such;

Provided further that if at any time, there is no professor in a department or school, the Vice-Chancellor, or a Dean authorized by the Vice-Chancellor in this behalf, shall exercise the powers of the Head of the Department or school.

(3) When the office of the Dean is vacant or where the Dean by reason of illness, absence or any other cause, is unable to perform the duties of his office, the duties of his office shall be performed by such person as the Vice-Chancellor may appoint for the purpose;

(4) The Dean shall be the head of the functional cluster assigned to him and shall be responsible for the conduct and maintenance of the standards of work in the functions assigned to him.

(5) The Dean shall perform such other functions as may be prescribed by the Ordinances.

(6) The Dean shall have the right to be present and to speak at any meeting of the Board of Studies or a committee of the Department/School but shall not have the right to vote there, unless he is a member thereof.

8. The Registrars — (1) Every Registrar shall be appointed by the Board of Management on the recommendations of the Chancellor and he shall be a whole-time salaried officer of the University;

(2) The emoluments and other conditions of service of a Registrar shall be such as prescribed by the Ordinances:

Provided that Registrar shall retire on attaining the age of sixty two years. However, the Chancellor may grant extension upto maximum of sixty five years in public interest.

(3) When the office of the Registrar is vacant or when the Registrar, by reason of ill health, absence or any other cause, is unable to perform his functions as the Registrar, his functions shall be performed by such person as the Vice-Chancellor may appoint for the purpose and inform Chancellor of the same;

(4) A Registrar designated especially on its behalf by the Board of Management shall have the power to take disciplinary action against such employees, excluding teachers, as may be specified by the Board of Management by general or special order;

(5) an appeal shall lie to the Vice-Chancellor against any order made by the Registrar in pursuance of clause (4)

(6) In cases where an inquiry discloses that a punishment beyond the powers of the Registrar is called for, the Registrar shall, consequent to the inquiry, make a report to the Vice chancellor along with his recommendations for such action as the Vice-Chancellor may deem fit:

Provided that in such a case an appeal shall lie to the Board of Management against an order of the Vice-Chancellor imposing any penalty on an employee.

(7) The Board of Management shall designate a Registrar to act in one or more of the following capacities, namely:-

- (i) Secretary to the Court
- (ii) Secretary to the Board of Management
- (iii) Secretary to the Academic Council
- (iv) Secretary to the Planning Board.

(8) A Registrar so designated shall, in relation to the authority concerned -

- (a) be the custodian of the records, the common seal and such other properties of the University as the Board of Management may commit to his charge;
- (b) issue notices and convene meetings of that authority and the committees appointed by it;
- (c) keep the minutes of the meetings of that authority and the committees appointed by it;
- (d) conduct the official proceedings and correspondence; and
- (e) supply to the Chancellor a copy each of the agenda of the meetings of the authorities of the University as soon as it is issued and the minutes of such meetings.

(9) Any Registrar may be designated by the Vice-Chancellor to represent the University in suits or proceedings, by or against the University, sign powers of attorney, verify pleadings and depute his representative for the purpose.

(10) The Registrar shall hold and manage the properties of the University, including trust and immovable properties, for fulfilling any of the objects of the University.

(11) The Registrar shall ensure that the registers of properties of the University are maintained properly and that stock checking is conducted of the equipment and other material in the offices and branches of the University including colleges and the institutions maintained by the University.

(12) The Registrar shall perform such other functions as may be specified in the Statutes, Ordinances or Regulations or as may be required from time to time by the Board of Management or the Vice-Chancellor:

9. The Controller of Finance – (1) The Controller of Finance shall be appointed by the Board of Management on the recommendation of Chancellor and he shall be a whole time salaried Officer of the University and shall work under the control of Board of Management.

(2) The emoluments and other conditions of service of the Controller of Finance shall be prescribed by the Ordinances:

Provided that the Controller of Finance shall retire on attaining the age of sixty two years.

(3) When the office of the Controller of Finance falls vacant or when the Controller of Finance, by reason of ill health, absence or any other cause, is unable to perform his functions as the Controller of Finance, his functions shall be performed by such person as the Vice-Chancellor may appoint for the purpose, and inform Chancellor of the same.

(4) The Controller of Finance shall –

(a) exercise general supervision over the funds of the University and advise it as regards to its financial policies; and

(b) perform such other financial functions as may be assigned to him by the Board of Management or as may be prescribed by the Statutes or the Ordinances:

Provided that the Controller of Finance shall not incur any expenditure exceeding three lakh rupees or such other amount as may be fixed by the Board of Management, without the prior approval of the Competent Authority.

(5) Subject to the control of the Vice Chancellor and the Board of Management, the Controller of Finance shall –

(a) ensure compliance of financial rules and regulations as prescribed by the University;

(b) be responsible for proper and timely investment of University funds with the approval of the Vice-Chancellor.

(c) be responsible for get formats of books of accounts approved by the Finance Committee;

(d) be responsible for getting internal and external audit of the books of accounts of the University;

(e) see that the limits fixed by the Finance Committee for recurring and non-recurring expenditure for a year are not exceeded and the money is expended or spent for the purposes for which it was granted or allotted;

(f) be responsible for the preparation of the annual accounts and the budget of the University and for their presentation to the Board of Management after they have been considered by the Finance Committee;

(g) keep a constant watch on the cash and bank balances and investments;

(h) watch the progress of collection of revenues and advise in respect of methods of collection employed;

(i) bring to the notice of the Vice Chancellor any unauthorized expenditure or any other financial irregularity and suggest appropriate action against person at fault; and

(j) call from any office of the University, including colleges maintained by the University, any information or report that he/she may consider necessary for the performance of his functions.

(6) Any receipt given by the Controller of Finance or by the person or persons duly authorized on its behalf by the Board of Management shall be a sufficient discharge for payment of funds to the University.

10. The Librarian – The Librarian shall be whole-time salaried officer appointed by the Board of Management on the recommendation of a selection committee constituted for the purpose, and shall possess such qualifications and exercise such powers and perform such duties, as may be determined by the Board of Management.

3989 D G/12-8

11. The Board of Management –

(1) The Board of Management shall have the power of management and administration of the revenues and properties of the University and the conduct of all administrative affairs of the University not otherwise provided for.

(2) Subject to the provisions of the Act, the Statutes and the Ordinances, the Board of Management shall, in addition to the other powers vested in it by and under the Statutes, have the following powers, namely;

- (a) to create teaching and other academic posts in the University and colleges and to define the functions and conditions of services of the Professors, Associate Professors, Assistant Professors, other teachers and the academic staff employed by the University after taking into consideration the recommendations of the Academic Council;
- (b) to prescribe qualifications and other conditions of eligibility for teachers and other academic staff after taking into account the recommendations of the Academic Council;
- (c) to make appointments of such Professor, Associate Professors, Assistant Professors, other teachers and such academic staff as may be necessary, on the recommendations of the selection committees constituted for the purposes;
- (d) to make appointments to temporary vacancies of any academic and non-teaching staff;
- (e) to specify the manner of appointment to temporary vacancies of the academic and non-teaching staff;
- (f) to provide for the appointment of visiting professors, chaired and determine the terms and conditions of such appointment;
- (g) to create administrative, ministerial, technical and other necessary posts after taking into account the recommendations of the finance committee and to specify the manner of appointment thereto;
- (h) to prescribe qualifications and other conditions of eligibility for non-teaching staff as may be necessary, on the recommendations of the selection committee constituted for the purpose;
- (i) to make appointment of non-teaching staff as may be necessary, on the recommendations of the selection committees constituted for the purpose;
- (k) to regulate and enforce discipline amongst the employees in accordance with the Statutes and the ordinances;
- (l) to transfer or accept transfers of any immovable or movable property on behalf of the University;

- (j) to entertain, adjudicate upon or redress the grievances of employees and the students of the University who may, for any reason feel aggrieved;
- (k) to fix the remuneration payable to invigilators and travelling and other allowances payable after consulting the finance committee;
- (l) to select a common seal for the university and to provide for the use of such seal;
- (m) to delegate any of its powers to the Vice-Chancellor, and on the recommendations of the Vice-Chancellor to the Pro Vice-Chancellor, Registrars, the Controller of Finance or any other Officer, employee or authority of the University or to a Committee appointed by it;
- (n) to institute fellowships, scholarships, studentships; and
- (o) to exercise such other powers and perform such other functions as may be conferred or imposed by the Act or the Statutes.

(3) The Board of Management shall exercise all the powers of the University not otherwise provided for by the Act, the Statutes, the Ordinances and the Regulations for the fulfilment of the objects of the University.

(4) The Board of Management shall meet at least once, in every three months.

12. The Academic Council – (1) The academic council shall-

- (a) exercise general supervision over the academic policies of the University and to give directions regarding methods of instruction, evaluation or research or improvement in academic standards;
- (b) consider matters of general academic interest either on its own initiative or on a reference from the Planning Board or a Department/ School of studies or the Board of Management and to take appropriate action thereon; and
- (c) frame such regulations as are consistent with the Statutes and the Ordinances regarding the academic functioning of the University, including discipline, admissions, award of fellowships and studentships, fees and other academic requirements.

(2) The academic council shall meet at least once, in every four months.

(3) The academic council shall draw up a list of experts / professionals to be members of selection committees constituted under Statute 17(1). Such a list of experts / professionals shall be submitted to the Government, through Secretary, Department of Training and Technical Education and as may be

required by the Government, experts / professionals would be dropped substituted in the list drawn up by the academic council.

13. The Planning Board – (1) The Planning board shall consist of the Vice – Chancellor and not more than six members to be nominated by the Board of Management;

(2) All the members of the Planning Board, other than the Vice-Chancellor and not more than six members to be nominated by the Board of Management;

(3) The Planning Board shall design and formulate appropriate plans for development and expansion of the university, and it shall, in addition, have the right to advise the Board of Management and the Academic Council on any matter which it may deem necessary for the fulfilment of the objects of the University;

(4) The Planning Board may constitute such committees as may be necessary for planning and monitoring the programmes of the University;

(5) The Planning Board shall meet at such intervals as it deem expedient, but it shall meet at least twice in a year;

14. The Departments and the Schools. – (1) The University shall have such departments and schools of studies as may be specified in the Ordinances;

(2) Each department or school of studies shall be headed by the Head of the Department as prescribed in the Ordinances;

(3) The composition and functions of the department and schools and other related matters shall be such as are specified in the Ordinances.

15. The Board of Studies – (1) Each Department and School of studies shall have a Board of Studies to advice on academic matters of the Department or School, as the case may, including matters relating to formulations of curriculum and its regular update;

(2) The composition of Board of Studies and its functions will be as specified in the Ordinances.

16. The Finance Committee. – (1) The Finance Committee shall develop financial policies of the University and to oversee the revenues and expenditures of the university;

(2) The Finance Committee shall make recommendations on generating revenues through the university's activities and these recommendations of the Finance Committee shall be placed before the Board of Management for a decision;

(3) The Finance Committee shall make recommendations on improving the operational efficiency of the University's activities, measures for revenue generation, and, on major expenditure proposals of the University, as may be required by the Board of Management;

(4) The Controller of Finance shall be the ex-officio Member-Secretary of the Finance Committee;

(5) The annual accounts and the budget of the university prepared by the Controller of Finance shall be placed before the Finance Committee for approval before being submitted to the Board of Management.

17. Selection Committee. – (1) There shall be constituted selection committees for making recommendations to the Board of Management for appointment to the posts of Professors, Associate Professors, Assistant Professors, other teachers, other academic staff and the heads of colleges maintained by the University;

(2) Each of the selection committees for appointment to the post of Professors, Associate Professors, other teachers and other academic staff shall consist of the following members, namely;

- (i) The Vice-Chancellor;
- (ii) The Principal Secretary/Secretary of Department of Training and Technical Education or his nominee
- (iii) One of the Deans of the related discipline nominated by the Board of Management;
- (iv) Three experts not connected with the University to be nominated by the Vice – Chancellor from a panel of not less than seven names approved by the Academic Council for each department / school ;
- (v) Four members of the selection committee (who shall include at least two experts) shall form a quorum for a meeting of the selection committee constituted under clause (2).

3984) 6/12-9

(3) Each of the selection committees for appointment to the posts of heads of colleges maintained by the University shall consist of the following members, namely –

- (i) The Vice – Chancellor;
- (ii) The Principal Secretary/Secretary of Department of Training and Technical Education or his nominee
- (iii) The eminent professionals to be nominated by the Vice-Chancellor, out of a panel approved by the Academic Council for the post of Principal / Director.
- (iv) A member of the Board of Management to be nominated by Vice Chancellor.

Four members shall form the quorum and it should include at least one person from category (iii) above.

(4) Each of the Selection Committees for appointment to the post of various categories of staff, other than the academic staff, shall consist of the following members namely:

- (i) The Vice – Chancellor or his nominee not below the rank of Pro Vice – Chancellor of the university,
- (ii) The Principal Secretary/Secretary of Department of Training and Technical Education or his nominee
- (iii) The Registrar,
- (iv) a representative of the scheduled castes or scheduled tribes of the rank of Gazetted Officer : Provided that whenever necessary, two experts may be nominated by the Vice-Chancellor in the above Selection Committees.

(5) The quorum for a meeting of a selection committee constituted under clause (4) shall be three.

(6) The procedure to be followed by the selection committees constituted under these statutes shall, in making recommendations, be such as laid down in the Ordinances.

18. Special mode of appointment.- (1) Notwithstanding anything contained in Statute 17, the Board of Management may invite a person of high academic distinction and professional attainments to accept the post of a professor / Associate professor or any other equivalent academic post in the University on such terms and conditions as it may deem fit, and appoint the person to such post.

(2) The Board of Management may appoint any member of the academic staff working in any other university or organization on a teaching assignment or for undertaking a project or any other work on such terms and conditions as

may be determined by the Board of Management in accordance with the manner specified by the Statues.

19. Recognized teachers. — (1) The qualifications and other conditions of eligibility for recognition of teachers working in the colleges maintained by the University shall be such as are prescribed by the Ordinances.

(2) All cases of recognition of teachers in a college shall be dealt with and approved by the selection committees as constituted under clause (1) of Statute 17.

20. Committees— (1) Any authority of the University may appoint as many standing or special committees as it may deem fit and may appoint on such committees such persons as are not members of such authority.

(2) Any committee appointed under clause (1) may deal with any subject delegated to it and before taking action, if any, shall seek confirmation of it from the authority appointing it.

21. Terms and Conditions of service and code of ethics for the teachers and other academic staff of the University— (1) All the teachers and other academic staff of the University shall, in the absence of any contract to the contrary, be governed by the terms and conditions of service and code of ethics as are specified by the Statutes and the Ordinances.

(2) Every teacher and member of the academics staff shall be appointed on a written contract.

(3) A copy of every contract referred to in clause (2) shall be deposited with the Registrar.

22. Terms and Conditions of service and code of conduct for other employees of the University— All the employees of the University, other than the teachers and other academic staff shall, in the absence of any contract to the contrary, be governed by the terms and conditions of service and the code of conduct as specified in the Statutes and the Ordinances.

23. Removal of employees of the University— (1) Where there is an allegation of serious misconduct against a teacher, a member of the academic staff or any other employee of the University, the Vice-Chancellor

may, in case of a teacher or a member of the academic staff, or the authority competent to appoint (hereinafter referred to as appointing authority) in the case of any other employee, as the case may be, by order in writing, place such teacher, member of the academic staff or other employee as the case may be, under suspension and shall forthwith report to the Board of Management the circumstances in which the order was made.

(2) Notwithstanding anything contained in the terms of the contract of appointment or in a other terms of conditions of service of the employees, the Board of Management in respect of teachers and other academic staff, and the appointing authority, in respect of other employees as the case may be, shall have the power to remove a teacher or a member of the academic staff or other employee, as the case may be, on grounds of misconduct,

(3) Save as aforesaid, the Board of Management, or the appointing authority, as the case may be, shall not be entitled to remove any teacher, any member of the academic staff or any other employee except for a justified cause and after giving three months' notice to the person concerned or on payment of three months' salary to him/her in lieu thereof.

(4) No teacher, member of the academic staff or other employee shall be removed under clause (2) or clause (3) unless he has been given a reasonable opportunity of showing cause against the action proposed to be taken against him/her.

(5) The removal of a teacher, a member of the academic staff or other employee shall take effect from the date on which the order of removal is issued.

(6) Notwithstanding anything contained in the foregoing provisions of this Statute, a teacher, a member of the academic staff or other employee may resign after giving one month's notice in writing to the Board of Management or the appointing authority, as the case may be, or by paying one month's salary in lieu thereof; Provided that such resignation shall take effect only from the date on which the resignation is accepted by the Board of Management, or the appointing authority, as the case may be.

24. Maintenance of discipline amongst the students of the

University- (1) The powers regarding discipline and disciplinary action in regard to the students of the University shall vest with the Vice-Chancellor who may delegate all or any of his powers to such officers of the university, as he may deem fit.

(2) Without prejudice to the generality of his/her powers relating to the maintenance of discipline and taking such action as he/she may deem appropriate for the maintenance of discipline, the Vice-Chancellor may, in exercise of his/her powers, by order, direct that any student or students be expelled or rusticated for a specified period and not admitted to a course or courses of study in the University or College maintained by the University for a stated period, or be punished with a fine for an amount to be specified in the order, or debarred from an examination or examinations conducted by the University for one or more years or that the result of the student or students concerned in the examination or examinations, in which he/she has or they have appeared, to be cancelled.

(3) The heads of colleges shall have the authority to exercise all such disciplinary powers over the students in their respective colleges as may be necessary for the proper and efficient functioning of such colleges.

25. Other provisions in respect of employees transferred from Indira Gandhi Institute of Technology---- (1) The Vice-Chancellor will exercise all the powers of the Director, Indira Gandhi Delhi Technological University for Women in respect of all the employees of the Indira Gandhi Institute of Technology

(2) Until the University is able to make specific Statutes or Ordinances or Regulations on this subject, general regulations or procedures applicable to Indira Gandhi Institute of Technology shall continue to apply to these employees.

By Order and in the Name of the Lt. Governor of the
National Capital Territory of Delhi,

A. K. GUPTA, Dy. Director (SB)

बॉट एवं माप विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2012

फा. सं. 7(7)/डब्ल्यू. एण्ड एम./प्रशासन/2011/2279-91.—विधिक माप अधिनियम 2009 (2010 का 1) की धारा 14 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 2 (क्यू) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के उपराज्यपाल राष्ट्रीय क्षेत्र दिल्ली हेतु उक्त अधिनियम के उद्देश्यों के लिये

- 1 श्री दिनेश कुमार शर्मा को विधिक माप पद्धति अधिकारी (ग्रेड-1)
- 2 श्री अमित कुमार को विधिक माप पद्धति अधिकारी (ग्रेड-2)
- 3 श्री विपुल कुमार को विधिक माप पद्धति अधिकारी (ग्रेड-3)

को उस समय तक, जब तक वह बॉट एवं माप विभाग में निरीक्षक/उपनिरीक्षक/माप पद्धति अधिकारी के पद पर कार्यरत है या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,
भूपेन्द्र सिंह, सहायक नियंत्रक, विधिक माप पद्धति

DEPARTMENT OF WEIGHTS AND MEASURES

NOTIFICATION

Delhi, the 18th October, 2012

F. No. 7(7)/W&M/Admn./2011/2279-91.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 14 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and read with section 2(q) of the said Act, the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi hereby appoints :-

1. Sh. Dinesh Kumar Sharma as Legal Metrology Officer (Gr.-I)
2. Sh. Amit Yadav as Legal Metrology Officer (Gr.-II)
3. Sh. Bipul Kumar as Legal Metrology Officer (Gr.-III)

for the purpose of the said Act, for the National Capital Territory of Delhi, so long as they hold the post of Inspector/Sub-Inspector/Legal Metrology Officer in the Weights and Measures Department or till further order, whichever is earlier.

By Order and in the Name of the Lt. Governor of the
National Capital Territory of Delhi,

BHUPINDER SINGH, Asstt. Controller, Legal Metrology